Bodleian Libraries
UNIVERSITY OF OXFORD

This book is part of the collection held by the Bodleian Libraries and scanned by Google, Inc. for the Google Books Library Project.

For more information see:

http://www.bodleian.ox.ac.uk/dbooks

This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 2.0 UK: England & Wales (CC BY-NC-SA 2.0) licence.

Hindi Nais 2

13.E.36.

Indian Institute, Oxford.

The Lucknow Sparks Library.
Presented
by
Munshi Newul Kishore.

Vaidya manotsava.

Vaid Prananatasate

वैद्यमनोत्सव ॥

केशवदासात्मज कविनैनसुख रचित

जिसमें

सम्पूर्ण रोगों के विनाशार्थ उत्तम उत्तम औषधि और नाड़ी का परिज्ञान दोहा चौपाई आदि छन्दो में वर्णित है।

वही

दूसरीबार

स्थानलखनऊ

मुंशीनवलकिशोर के छापेखाने में छापागया

अक्टूबर सन् १८८२ ई० ॥

श्रीगणेशायनमः ॥

बैद्यमनोत्सवभाषा ॥

नैनसुखबैद्यकृत ॥

दोहा ॥

शिवसुतपदप्रणवोंसदा ऋद्धिसिद्धिदातार ॥ कुमतिविनाशन सुमतिकरमंगलमुदितअपार १ अलखअमूरतिअलखगतिकिन हिनपायोपार ॥ जोरियुगलकरकविकहैंदेयदेवमतिसार २ बैद्य ग्रंथसबमथनकररच्योजुभाषाजान ॥ अर्थदिखायोप्रगटकरऔ-षधिरोगनिदान ३ममममतिअल्पजुकहतहौंकविमतिपरमअगाध॥ सुगमचिकित्साचितरचितक्षमहुसबैअपराध ४ बैद्यमनोत्सवना मधरदेखिग्रंथसुप्रकाश ॥ केशवराजसुतनैनसुखभाषाकियोबि-लास ५ प्रथमनसालक्षणकहेदेखिग्रंथमतसोय ॥ पुनिआनोअनु तावहीजैसीममगतिहोय ६ ॥ अथनाड़ीपरीक्षा ॥ दोहा ॥ करअंगुष्ठजो मूलकरदेखहुनसाअकार ॥ जानहुदुखसुखजीवकोपंडितकहोबि-चार ७ आदिपित्तपुनिमध्यकफबातपवनसुप्रधान ॥ त्रिबिधन सालक्षणकहौंजानहुबैद्यसुजान ८ मेड़ककागकुलंगगतिपित्तनशा यहभाय ॥ हंसमयूरकपोतकफनागजलौकाबाय ९ तीतरलवा बटेरगतिशोधमनीसनिपात ॥ चलैक्षीणअतिशीतसोनसाकरतहै घात १० क्षुधाचपलधमनीचलैउष्णरक्तकीजान ॥ स्थिरातृप्तकी पुनिकहैंआगमनारिबखान ११ औरचलेबेगतप्तहोयज्वरल-क्षणधमनीय ॥ करचिकित्सासमझकरिजोसुखपावैजीय १२ ॥

अथ पित्त कफ वायु निदान ॥ चौपाई ॥ विषमाशनजुखटाईखार । क्षुधा तृषालेबहुतअहार ॥ कटुकतिक्तश्रममदिरापान । सेंकैअग्नि क्रोधपरवान १३ उष्णजुखाइधूममहिगमैं । आधीरातदुपहरी समैं ॥ कातिकजेठआशुबैशाष । पित्तबिकारपरगटैभाष १४ मधुरदुग्धदधितिलनवनीत । लवणखटाईपलकषसीत ॥ भोजन तप्तअवरदिनसोवै । फाल्गुणचैत्रसमयकफहोवै १५ बोलेतुरतबात वृतगहै । चिन्तादेखभयानकरहै ॥ रूखाखायकटुकनिशिजागै । संध्यासमयशीततनलागै १६ भक्षणकरैकसैलासोई । कियेअहार वायुअँगहोई॥इतनोदेखकैकरैबिचार । बायुरोगजावेततकाल १७ दोहा ॥ मगशिरपौषजोमाघमैंभादोंश्रावणतास ॥ पुनिअषाढ़पगिडतकहैंबायुमासषटमास १८ ॥ अथ बायुपित्तलक्षण ॥ चौपाई ॥ मुख कटुताव्याकुलपरलाप । सूखहिंअधरस्वेदअरुताप ॥ मूर्छादाह शीतपरप्रीत । लक्षणमनहुंपित्तकेमीत १९ आलससेहरखांसीश्वास । मुखमीठाअरुभूखकोनाश॥ यहिमारगमेंगलग्रहरहै । कफके लक्षणएतेकहै २० देहपीड़औतालूजरै । आलसडोवामनमहँकरै ॥ देहीशीतलनिद्रानास । रूखाअंगहोयबरुतास २१ भूखहीनमुख फीकारहै । उष्णप्रीतिकफज्वरगहै ॥ नैनसुखकविनेकियोबखान । मारुतलक्षणएतेजान २२॥ अथपित्तकफबायुउपचार ॥ दोहा ॥ त्रियासंगअरुबीजनाशीतलसलिलसुजान ॥ भोजनमधुरसुगन्धताकरताकोपहिंचान २३ क्षारकसैलातिक्तकटुतप्तोदकउपबास॥ बमनबिरेचनखेदपुनिहोयनहींकफनाश २४ तप्तोदकब्रतउष्णद्रवमर्दन तेलशरीर ॥ सुरापानसेंकेदहनइनतेजायसमीर २५ ॥ अथसाध्यलक्षण ॥ सोरठा ॥ होयतृषाजसुहीन करपदनाभिजोतृप्तहो ॥ मृदुरसनापरवीन सुलभलक्षणताकोकहौं २६ इन्द्रीअंगरहैंचैतन्न । सुखनिद्राआवैसुप्रसन्न॥ शुभकिबनजुसुनैबचनकहै।स्वादआदिसबके गुणकहै २७ बिनप्रस्वेदज्वरजाननहोयासरलस्वादहीनकफहोय॥

करहुचिकित्साताकोजान । सोनरजीवैकह्योबखान २८ ॥ अथअसाध्यलक्षण ॥ दोहा ॥ जायजुमारुतपित्तगृहपित्तजायककगेह ॥ कफ आवैजबकंठहीप्राणतजैसबदेह २९ ॥ सोरठा ॥ कंठविषयकफहोय निशादाहपुनिशीतदिन॥ मरैजुरोगीसोयकछूनबनैउपायतसु ३० गुदाभ्रष्टअरुहीनह् वैकासश्वासपुनिजासु ॥ व्याकुलहिचकी सोखतनतेयमपुरहिनिवास ३१ हृदयचरणकरनाशिकाबातिहोय हिमजासु॥शीततप्तजिसकोरहैयमपुरजाकोबास ३२ दर्पणसत जलतेलमेंछायादेखोआन ॥ शीशरहिततनदेखियेमीचपक्षमेंजान ३३ मजज्नकीजैतीनअँगकरपदहियेनिहार॥ सूकहित्ववेतत्काल सोंजोमृतहोयबखान ३४ करबिचारदीपकबुझैआवैकछुखनगंध॥ मतिलज्जापुनिनाशहोयतासुलेहयमफंद ३५ ॥ अथकालचक्र ॥ आ द्राआदिसुअतमेंमृत्युमूलपुनिसोय ॥ नक्षत्रइन्दुरबनासुनरएक नसाजबहोय ३६ रोगीमृततबहोयजबजायजिहायमधाम ॥ सो शिवकहौबिचारकरकालचक्रघरनाम ३७॥ इतिश्रीकेशवदास सुतनैनसुखकृतेवैद्यमनोत्सवे नाड़ीपरीक्षाबातपित्तकफनिदानसा ध्यासाध्यलक्षणकालचक्रंनामप्रथमस्समुद्देशः ॥ १ ॥

अथदशज्वरलक्षण ॥ मूर्च्छातृषाप्रलापपुनि शिरोवर्तभ्रमनेह ॥ दाहकटुकताबदनमें येलक्षणपितकेह ३८ ॥ अथज्वरलक्षण ॥ दोहा ॥ श्वासकासरोमांचगुरु खेहरनिद्राशीत ॥ बमनअरुचिमुखमधु रताकफज्वरलक्षणमीत ॥ ३९ ॥ अथबातज्वरलक्षण ॥ दोहा ॥ शिर कंदूरोमांचभ्रमजीवकंपजंभाइ ॥ मोहसोथलजुकखायमुखयेल क्षणज्वरभाइ ४० ॥ अथमलज्वरलक्षण ॥ सोरठा ॥ दाहसोखपरलाप अश्वपीठअरुचितभ्रम ॥ येलक्षणमलतापकहैजुग्रंथबिचारिकै ४१ अथजीर्णज्वरलक्षण ॥ दोहा ॥ बमनबिरेचनउदरदुखबहुडकारहोजास ॥

येलक्षणज्वरकेकहूंदेखहुग्रंथनिकास ४२ ॥ अथ स्वेदज्वरलक्षण ॥ निद्राजंभणफुटैतनहोतअंगपरस्वेद ॥ कहैंसुबैद्यविचारिकैयेलक्षणज्वरस्वेद ४३॥ अथदृष्टिज्वरलक्षण ॥ जृम्भणमुखचहुंअस्ततनउदरपीरतनअंग॥ येलक्षणज्वरदृष्टिकेकहैंजुबैद्यप्रसंग ४४॥ कालज्वरकालक्षण दोहा श्वाससतप्तस्वेदतनकरपदशीतलहोय ॥ येलक्षणज्वरकालकेतिसहिउपायनकोय ४५ ॥ अथज्वरपाकदिन चौपाई ॥ बातशीतपित्तसबज्वान। कफबारहदिनरहैप्रमान॥ सन्निपातमर्य्यादहिजान। कैजीवैकैरहैंनियान ४६ सोरठा॥ सप्तदिवसगंधावहैदशबासरकहोपित्तकैकविद्वादशदिनआहिजानहुपरमतहोयकै ४७॥ अथलघुसुदर्शन चूर्ण ॥ चौपाई॥ सोंठकटाईपुष्करमूर। काकड़ासिंगीकिंचकचूर ॥ मुहलैठीगिलोयआवलासालजुपर्णा ४८ हलदीपीपलमिरचकलौंजीपत्रजमान। पित्तपापरापत्रजआन ॥ अगरधमासाकूटमिलाय। लोचनबालामूर्वापाय ४९ तजअतीससुरहीठान। मोथापटोलजवाइनआन ॥ चित्रकअभयापीपरमूल। येऔषधिमानहुंसमतूल ५० नेपालाकीरातजान। सबऔषधितेआधाआन ॥ इनऔषधिकोचूरणकरै। नामसुदर्शनलघुताधरै ॥ ५१ चूरणपीजैजलहीघाल। ज्वरनाशैतबहोयतत्काल ॥ बायुमोहतंद्रानरहाय। पांडुरोगकीमलताजाय ५२ हियगुददोषशूलसबजाय। सन्निपाततेरहनरहाय ॥ श्वासकासपीड़ासबजाय। होयनिरोगमुदासुखपाय ५३ अथज्वरांकुशसोंठमिर्चअरु पीपरटंकआठपरमान ॥ गंधकविषपारादकहोय दोटंकपरमान ५४ बीजधतूरे टंकबीजपीसहुऔषधिसोय॥ अदरकरससोंगहिपपरगोलीरत्तीदोय ५५ गोलीखाइयेप्रातउठिरसआदेकाघाल ॥ तापपित्तकफबातकोनाशहियेतत्काल ५६ तीजैदूजैनित्यकोअरुचौथाज्वरजाय॥ सूक्षमविषमरुशीतज्वरउदरव्याधिनरहाय ५७ दोहा महाज्वरांकुशनामकहिआतरेखयहआन॥ वैद्यमनोत्सवग्रंथमेंभाषाकहोबखान ५८ ॥ अथजुरांकुश ॥ शंखभस्म

हरतालसमआठ टंकलोहुबिचार ॥ नीलाथोथाटांकदोतीनपुटदेय कुमार ५९ औषधिसपुटमेंधरैताकहुंगजपुटदेय ॥ पहरचारपान करहैंशीतलभयेजुलेय ६० एकरत्तीजोप्रमाणगहिखांड़सोदीजै जास ॥ भातदुग्धतापथ्यदेहोइसबैज्वरनास ६१ कहौंजुरांकुश चरकमतिपंडितलेहुबिचार ॥ नाशहिंरोगअनेकबिधिसिद्धप्रगट संसार ६२ ॥ अथज्वरघीगुटिका ॥ पीपरमैनसिलसनीबक्कलरसजु करैंसुलिपाइ ॥ गोलीकीजैपीसकैतापत्रिदोषमिटाइ ६३ ॥ अथपित्त ज्वरकालक्षणचूर्ण सोरठा ॥ पित्तपापरोआनिजलसोंपीजैपीसकर ॥ टांक एकपरमाणदाहपित्तज्वरनारहै६४॥ अथपित्तज्वरदाहचूर्ण चौपाई ॥ नेत्र बालाअरुमोथाआन । चंदनपित्तपापराआन ॥ सोंठउसीरनीरसों लेइ । दाहपित्तज्वरनाशकरेइ ६५ ॥ अथकफज्वरकोनाश दोहा ॥ सोंठ मिरचअरुकायफलपीपरताहिमिलाय ॥ नाशजुलीजैनीरसोंकफ ज्वरक्षणमहँजाय ६६ बातज्वरको चूर्ण ॥ सोरठा ॥ सोंठकचूरणपाइ पीपरमिरचचिरायता। कद्रुसिवाजुरलाइचूरणहरेसुबातज्वर ६७ अथ मलज्वरकोक्वाथ ॥पंचऔरकनियालमोथाकडुहरतिको। पियोक्वाथ तत्कालमलजुरकफकानाशहोइ ६८ ॥ अथचूरणरसज्वरको दोहा ॥ अज मोदारुहरीतकीसौंचरतामहँपाय। पीसिपियोजलतप्तसोंरसज्वर क्षणमेंजाय ६९ ॥ अथखेदज्वरकाउपाय ॥ मर्दनकीजैअंगकोतेलति- लहिकोआन॥पुनिमज्जनजलुतप्तसोंखेदतापकाजान७० ॥ अथदृष्टि ज्वरचूर्ण ॥ पीपरमिरचचिरायतासोंठहींगसमघाल ॥ चूरणखाइय टंकइकतापदृष्टिकोटाल ७१ ॥ अथ वायपित्तकफकोचूर्ण ॥ मोथा सोंठचिरायता पित्तपापराजान ॥ पीपरकणुगिलोयपुनि येस मपीसहुआन ७२ यह चूरणसुप्रशस्तअति जलसोंपीजैप्रात ॥ अनिलपित्तकफदोषपुनि होयसबैज्वरघात ७३॥ अथ सीतकोचूर्ण ॥ पीपरसोंठगिलोयपुनि गुंजाजाहिमिलाय ॥ जलसोंपीजैटंकदो शीततापनरहाय ७४ ॥ अथ विषमज्वरकोचूर्ण ॥ पीपरसिवाजु-

आमला चित्रकसैंधासोइ ॥ चूरणपीजैनीरसों नाशबिषमज्वर होय ७५ ॥ अथकासश्वासबिषमज्वरकोक्वाथपद्धटिकाछन्द ॥ कड़याहीपुष्कर मूलजान। समतूलगिलोयसोंठआन। यहक्वाथजोकीजैजलमिलाय। कफकासश्वासबिषमज्वरजाय ७६ ॥ अथ चतुर्थज्वरकोधूनी दोहा ॥ गूगलऊलूपांयपुनिश्यामबस्त्रमेंलेय॥धूनीदीजेप्रातउठिज्वरचतुर्थहरलेय ७७॥ अथ कासश्वासज्वरकोअवलेह ॥ मिरचरुपीपरपीसकैमधुसोंचाटहुआनि ॥ हिक्काकासश्वासरुज्वरहोयलीपकीहानि ७८ ॥ अथ सन्निपातचिकित्सा आनन्दभैरवरस ॥ सिंगरफमिरचपीपरबिषटंकनगुसमान ॥ अद्रकरसगोलीकरै रत्तीएकप्रमान ७९ आनंदभैरवरसकह्यो सन्निपातज्वरजाय ॥ बातरोगशीतांगकफ मोहशूलमिटिजाय ८० ॥ अथ चिन्तामणिरस ॥ गंधकपारदपीपरे मिरचैंजीरोदोय ॥ पंचलवणत्रयपारबिष अभूकसोंदीसोय ८१ अद्रकरसऔरपानकै सबऔषधिपुटदेय ॥ परमितचणकप्रमाणही गोलीसुमतिबँधेय ८२ रसचिन्तामणियहकह्यो करै नाशसंनिपात॥ आमववेसीशूलकफ होयबिषमज्वरघात ८३ ॥ अथ कनकसुन्दररस सन्निपातको ॥ दोहा॥मिरचपीपरसोंठबिष गंधकपारदजान॥ टंकदोयलीजियेकनकसुन्दरमूलत्रयआन ८४ मर्दनकीजैतीनदिनरसजो भंगरेपाय ॥ गुंजासमगोलीकरहु प्रातहिउठिसोखाय ८५ सन्निपातशीतांगकफमदज्वरबेलालाय ॥ मंदअग्निउन्मादधमएतेरोगनशाय ८६ ॥ अथ उरशूलक्वाथसन्निपातको ॥ धनियामोथचिरायताकंडुइंद्रयवआन ॥ देवदारुदशमूलसोंठिऔरगजपीपरआन८७ क्वाथजुकरकेपीजियेसन्निपातज्वरजाय॥ तंद्राहिक्कावमीकफकासश्वासजुमिटाय८८ ॥ अथसन्निपातकोअंजन ॥ त्रिफलात्रिकुटाहींगबच सैंधाकंडुमिलाय॥पीतजुसरसोंसिरसफलयेऔषधिसमभाय ८९ अजामूत्रसोंपीसकरअंजनकरनपनाय ॥ अपस्मारउन्मादभ्रमसन्निपातनरहाय ९० तिमिररोगनिशिअंधपुनिमूतदोषशिरनवति ॥ वैद्य

जुकह्यौबिचारकेएतेकरेनिवति९१ ॥ अथ सन्निपातक्वाथ ॥ कुंकुमलवंग जुपीपरे अकरकराजुरलाय ॥अदरकरससोंपीसकै टंकएकजोखाय ९२सन्निपातउन्मादकफ तंद्रामारुतकास ॥ श्वासशूलमोह । ज्वरइनकोकरैबिनास९३ अथ अतीसारचिकित्सा॥लीलाअतीबटीलिख्यतेचौपाई॥ मिरचमस्तकीदाड़िमकली ।बंशलोचनअरुआमकुठली ॥ लोधमुलैठीमाईखाय।माजूफलमोचरसपाय ९४ कुड़ाजायफलकिंकरफूल । क्वाथबिभागअंबरसमतूल ॥ येसबऔषधिभागजुचार ।पेठाबीजबगुरीतिनिबार ९५ पोस्तजलसोंगोलीकीजै । एकटंकपरमानधरीजै ॥ तण्डुलजलसोंपीजैआन । ताकेगुणकोसकैबखान ९६ अथबृद्धगंगाधरचूर्ण ॥ मोथाअरलूसोंठधाई। बेलअतीसमोचरसपाई ॥ लोधलजालूआमकेबीज । मुठीपायइन्द्रयवलीज ९७ लोधवालापुनमधुपाय। तण्डुलजलसोंपियेमिलाय ॥ मठाभातभोजनतामाय।अतीसारछिनमाहिंथंभाय९८॥ अथलघुगंगाधरचूर्ण दोहा ॥ सोंधात्रिकुटामोचरस अजमोदाजुमिलाय ॥ पीसछांछसोंपीजिये अतीसारमिटजाय ९९ लेपाआमसुबीजअरु जायफलबालक्वाय ॥ तामेंमोथगिलोयअरुनित्यअफीममिलाय । काथोकरकेपीजियेअतीसारज्वरजाय १०० ॥ अथसंग्रहणीचिकित्सा दोहा ॥ धनियांमोथासोंठपुनिबालाबीजकछुघाल ॥ क्वाथजुकरिकेपीजियेसंग्रहणीकोटाल १०१ ॥ अथसंग्रहणीवायुशूलकोउपाय ॥ चौपाई ॥ मोथासोंठगिलोयअतीस । तप्तनीरसोंपीवेपीस ॥ आंवअरुचिसंग्रहणीवाय । वायुसतत्क्षणमाहिंमिलाय १०२॥ अथआमअरुचिसंग्रहणीकोक्वाथ ॥ गायनछन्द ॥ लोईपटलजालमोथासुजुपाय।हाधनियाअतिसगिलोयवालाकूड़ाधायमिलाय ॥ होसमरोसंऔषधिक्वाथकीजैप्रातउठिकेपीजिये। अथशूलअरुचिसंग्रहणीनाशैसबैकहदीजिये १०३ ॥ इतिश्रीकेशवदासपुत्रनैनसुखविरचितेवैद्यमनोत्सवेज्वरसन्निपातअतीसारसंग्रहणीप्रतीकारंनामद्वितीयस्समुद्देशः २ ॥

अथबवेसीरोगचिकित्सा ॥ दोहा ॥ पाइकबिरवेबीचसोंठपुनिचक्रकआठप्रमान ॥ पूरणषोड़शभागलेचूरणकरहुसुजान १०४ दुगुणलगगुड़खाईकघुटीकरहुंटंकदोय ॥ पेटअफारागुल्मगुदनाशवबेसीहोय १०५॥ अथचूर्ण ॥ अरलूचीताइन्द्रयवसोंठीसेंधाबेल॥चूर्णपीजैतक्रसोंरोगबवेसीरेल१०६ खूनीबवेसीकी औषधिदूधीबड़ीजोआनि घृतलवंगसोंपीजिये॥टांकसातपरमानरक्तबवेसीनारहै १०७ अथ चूर्ण ॥ सूरतबचअरुमूसली कूड़ासोंठसमभाय ॥ पीसछांछसोंपीजियेरोगबवेसीजाय १०८ ॥ अथभगन्दररोगकोलेप ॥ दूतीहलदआमलेपीसहुनीरमिलाय ॥ लेपजुकीजैप्रातउठिरोगभगंदरजाय १०९ अश्वबिलाईआनिकैत्रिफलारससंयोग ॥ तापसिलाईपैजानकैजायभगन्दररोग ११० सेंधोसोंठजुहरदपुनिबटपल्लवजुमिलाय॥जायपत्रघिसलाइयोरोगभगन्दरजाय१११ रोगगुल्मरोगप्रतीतिसोचरसेंधासोंठ हींगअजलोनपुनजातअभयापीपरअजमोदनबायारबिडंगसमान११२ इनकाचूरणकीजियेघृतसोंखायमिलाय॥गोलाशूलबिसूचिकाअर्षअजीरणजाय ११३ अथआमबातचिकित्साजामूकाकहलेप ॥सरसोंसोंठसहँजनाबर्षाभुसुरदार॥कांजीसोंजबलेपियेसोंजावृथानिवार ११४ अथपिप्पलीचूर्ण ॥ चौपाई ॥ पीपरआठकटाईजान । सोंठसुअभ्याजीराआन ॥ मोथाचित्रापिपरामूर। गजपीपलमेलहुसमतूल११५तप्तनीरसोंपीजेपीस। आमबातदेहनहिंदीस॥ शूलअभूखफिरिनरहाइ। कासश्वासबक्षणमेंजाय ११६ ॥ अथ चूर्ण ॥ सोंठबिडंगहरीतकीदेवदारुजुमिलाय॥ तप्तोदकसोंपीजियेआमबातनरहाय११७दारुहरदअरण्डपुनिबिंवबिडंगपतीस ॥ मिरचइन्द्रयवआनिकेलीजैसमकरपीस ११८ तप्तबारिसोंपीजियेआमबातनरहाय॥ क्रमकीपीड़ाउदरमेंयहीलियेजुलीहाय ११९ ॥ अथ आमवातकोचूर्ण ॥ गुग्गुलशिवाभुनर्नवादालनिशाजुमिलानि ॥ धेनुमूत्रसोंपीजियेहोयउदर

क्रमिहानि १२० ॥ अथशूलरोगप्रतीकार ॥ सोंचरहींगजुसोंठपुनिआ-
नहुसमकारभाय ॥ पीसपियोजलतप्तसोंशूलबिसूचोजाय १२१
अथ हिंग्वाष्टकचूर्ण ॥ मिरचपीपरसोंठहिंगुसेंधाजीरादोय ॥ अजमो-
दा जलतप्तसों शूलविसूचनहोय १२२ ॥ अथ चूर्णशूल का ॥ पी
परसोंठहरीतकीसोंचरसिविसमान ॥ तप्तोदकसोंपीजियेनाश
शूलकोजान १२३ ॥ अथचिंबुरादि चूर्ण ॥ सोंठा ॥ तूबरपुष्करमूल
लवनमिरचजवापारपुन ॥ अभयातामहँमेलअजवायनजुबिडंग
पुनि१२४टंकदोयपरमाणज्योहींऔषधिलीजिये ॥ तिबीतीनटंक
जान इनकोचूरणकीजिये १२५ एकटंकपरमाणनीरतप्तसोंपी-
जिये॥ शूलगुल्मकफजायआमबातकफरानगुहु१२६॥अथशूलकाचूर्ण
दोहा ॥ सोंठमिरच औरपीपलीसाजीताहिमिलाय ॥ पीसपियै
जलतप्तसोंशूलरोगमिटजाय १२७ अथपांडुकमलरोगप्रतीकार ॥ त्रिफ-
लाकंडुचिरायताबांसानीमगिलोय ॥ पीजेकाढ़ोसहतसोंनाशैपांडू
रोग १२८ ॥ अथअवलेह ॥ त्रिकुटारजनीआंवलेलोहचूर्णपुनिपाय
॥ चाटहुमधुघृतपाइके पांडुकामलाजाय १२९ अथअवलेह
त्रिफलाकंडुहलददोउपुनिदेय ॥ कमलवायसबहीहरैमधुघृतसों
जबलेय१३० अथकमलबायकोपोटलीजोग ॥ सूधीबासताश्वास
नाशेसंगकामलारोग १३१ गेरुहलदआंवलेकरअंजननयनाहु॥
कमलबासकानाशहोयमसूरपथाजोखाय १३२ ॥ सो० ॥ कालंग
दकोआन तक्रसहतजोपीजिये॥दिवससातपरमान कमलबायतन
नारहै १३३ ॥ अथक्षयीरोगप्रतीकारदोहा॥ असगंधसोंठपीपललौंगहूं
मिश्रीतामेंपाय ॥ जलसोंपीवैपीसकैक्षयीरोगनरहाय१३४॥ अथ
गुटका ॥ फूलआककेलवंगसंगपीसहुसमकरआनि ॥ गोलीदीजैप्रा
तउठिहोयक्षयीकीहानि१३५ ॥ अथचूर्णचिफला ॥ सोंठबिडंगमिरच
पीपलमोथ पुनिपीपलामूल लौंगपुनिदेवदारुतज लायची ॥
पदमपत्रऔररासना गजकेशरिसों मिलाय ।। सबतेहूनीमिश्री

क्षयीरोगनरहाय१३६ इतिश्रीपडितकेशवदासपुत्रनैनसुखबिर चिते बैद्यमनोत्सवे अर्शभगंदरगुल्मआमबातशूलपांडुकमलक्षयी रोगप्रतीकारंनामतृतीयस्समुद्देशः ॥ ३ ॥

अथहुचकीरोगप्रतीकार ॥ बीटमाखीकीलाखरसपीसहुदोनोपाय ॥ नाशलेइनरप्रातउठिहुचकीबहुरिनआय १३७ ॥ अथचूरण दोहा ॥ मिरच लवंग अरु मिश्री गिरीबेरकीपाय ॥ मधुसोंपीजैपीसकर हुचकीरोगपलाय १३८ ॥ अथधूणी ॥ मैनसिलहलदजुआनिकेपी सहुसमकरजोग। मुखमहंधूणीदीजियेनाशैहुचकीरोग १३९ ॥ अथकंखरोगप्रतीकार ॥ चंदनमोथाइलायचीलाजाकणालवंग ॥ कमल बीजअरुलायचीचाटहुमधुकेसंग। छर्दरोगकानाशहो १४० अथ श्वासरोग प्रतीकार ॥ सोंठपीपलकाकड़ासिंगी पीपलामूलकचूरभारं- गी मोथा मिरचतसजलसोंलेय। महाश्वासकानाशकरेय १४१ अथधूणीपद्धरी छन्द ॥ कटाईपुष्करमूलजान। वासाओसोंठकुलत्थ आन ॥ ऐपीसजोपीवेतप्तनीर। सोखासकासमिटजायपीर १४२ अथकासरोगचिकित्सा ॥सोंठबहेड़ापीपलीकाकड़ासिंगीजान ॥ भारंगी सकवारफलयेसमपीसहुआन १४३ गोलीकीजेनीरसोंटंकदोय समदेय ॥ निशासमयमुखराखियेवृद्धिकामकीहोय १४४ ॥ अथ गोलीखांसीकीवासा ॥ सोंठपीपलीचूककटाई। पीसपियोजलतप्तखांसी सोधीसीजाय १४५ अथबटीबिस्तकोड़ीमिरचै जस्योतिर्फलाकौ ड़ीजलाईऐबवणीहुणपिचतीनपरवान ॥ गोलीमूंगसमानकरकफ खांसीकीहान १४६ ॥ अथमंदाग्निप्रतीकार ॥ पीपलमोदहरीतकीचि त्रकलेहुसमान ॥ पीसपियोजलतप्तसोंभूखबढ़हिबहुजान १४७ अथगुटिका ॥त्रिफलात्रिकुटालौंगहींगअरुअजवायनसोइ ॥ समगुड़ गोलीकीजिये मंदअग्निनहिंहोइ १४८ ॥ अथचूर्ण ॥ गजकेशरी ॥

सींधासोंचलवायबिडंग। त्रिफलात्रिकुटातीनलवंग। चीताहींग अजबायनजान। जीरादोउअनारदोनाजान १४९ इनऔषधका चूरणकरहु। तीनपुटहिनींबूकीधरहु। टंकदोयतादिनप्रतिखाय। मंदअग्निछिनमाहिंपलाय १५० ॥ अथबिसूचिकाप्रतिकार ॥ दोहा ॥ तेलतिलोंकाआनिकेमर्दनकीजैसोय। नाशबिसूचिकाहोयसिद्ध योगलैकहेउ १५१ ॥ बायटोंकाउपाय ॥ मेथीकूटचूकतेलतिकतप्त करेचूरनकोमेलकरमर्दनजोकीजैलाय १५२ ॥ इतिश्रीपंडितकेश वदासपुत्रनैनसुखबिरचितेवैद्यमनोत्सवेहिक्काछर्दश्वासकासबि-सूचिकाप्रतीकारन्नामचतुर्थःसमुद्देशः॥ ४ ॥

अथ कुरंडवायुप्रतीकार ॥

दोहा ॥ जीरासेंधाहींगलसनकटुकतेलपचाय॥ लेपनकीजैप्रात उठिअंडवृद्धिसोमिटाय १५३ ॥ अथांडरोगचूर्ण ॥ त्रिफलाचूरणटंक इकगोमुत्रसंगपिवाय ॥ अंडवृद्धिसुमिटायहै कहैजुकविसमुझाय १५४ शरपूंखाकीजड़कोलेइटंकसुएकघीवसोंदेइ ॥ मासएकजो सेवाकरैअंडवृद्धिकोनिश्चयहरै १५५ एरंडतेलबहालमिलपीसहु घृतसंयोग ॥ पीसहुबाराउठकरहरैअंडकारोग १५६ ॥ अथलेप ॥ जीराएरंडकूटसबचहौबेरमिलाय ॥ कांजीसोंजबलेपिये अंडसोय नरहाय १५७॥ अथप्रतीकार ॥ प्रमेहकामूहसूंदीदाड़िम कलोसेत क्वाथसमखंड॥ दिनदशचूरणटंकएकलेयप्रमेहबिडंग १५८ अथचूर्ण प्रमेहका ॥ बड़ीएलाखंडसमचूरणटंकमिलाय भोजनकीजैपथजैकइ हरपरसेय। संखाहूलीलायची सिलाजीतपुनिदेय ॥ सबप्रमेहका दुखहरैखासहितहिजोलेय १५९ रसगिलोयकाआनिकैपीजैस-हतमिलाय ॥ सबप्रमेहकादुखहरैप्रातजोउठिकैखाय १६० मुह लहटीटंकदश इसबगोलटंकदश मिश्री टंक एक सहत टंक ४५

टंकदोयनितखाय। भोजनदुग्धमात्रमेहजाय ॥ मूत्रकृच्छ्रप्रतीकार॥ एला बासागोखुरुकणारेणुकाउपाय ॥ भस्मभेदतादादमधुकाटाहूरमिलाय १६१ सिलाजीत औरमिश्री कायसमतापाइ ॥ मूत्रकृच्छ्रसब दोषकेप्रमेहपाथरीजाइ ॥ चूरणबासाअंडइलायचीदधिसोंदेयमिलाय। मूत्रकृच्छ्रछिनमेंहरैकह्योजुतासमुझाय १६२ सितारलाज बारबारधरजलसोंपीजैआन ॥ मूत्रकृच्छ्रसबदोषकोनाशहुबाताजान १६३ बिकामूसाकीजोसुनी तदुलजलमेंमेल ॥ नाभितलेजबले पियेमूत्ररोधकोरेल १६४ ॥ पद्धरी छन्द ॥ गोखुरुजवासाहरेआन। पाषाणभेदकुणपालजान ॥ यहकाढ़ापीजैसहतपाय। तबमूत्ररोध छिनमाहिंजाय १६५ ॥ अथ चूर्ण ॥ त्रिफलासेंधागोखुरुबीजकर्कटोपटाय ॥ तप्तनीरसोंपीजियेमूत्ररोगनरहाय १६६ ॥ अथ पथरी प्रतीकार ॥ बरनासोंठगोखुरुक्वाथकरहुसमुझाय॥ पावोगुड़जबखाय पुनिबातपथरीनरहाय १६७ ॥ अथ चूर्ण ॥ अरुणीबरुपागोखुरु सोंठहरड़ेदेइ ॥ भस्मभेदकनयलफल छालसहँजनालेय १६८ क्वाथजोयाकोपीइयेनिश्चैहींगजवाखार॥ सकलरोगपथरीजायमूत्रकृच्छ्रअरुउदरदुख१६९॥ अथ मृगीरोग ॥ पुष्करमूलचिरायताब्रह्मीसोंठकचूर ॥ दारुहलदमुरुदारुबचमोथापीपलमूर १७० अभयारोहिससिरसकुटकरहुक्वाथनरजाय ॥ मृगीरोगउन्मादकपताप बिसूचीजाय॥ बचखुरासानीसेवतअंगटंकदोयजोलेय ॥ मृगीरोग जबसीहरैदुग्धभातपथदेय १७१ ॥ अथ नाश ॥ मिरचतासेंहड़माहिंधर। दिवसकासपरमानालेइ नाशनरसोंहोयमृगीकीहान १७२ ॥ अथ ब्राह्मीघृत ॥ ब्राह्मीरसबचकूटसंगसंखाहोलीदेय। गोघृतमहिसोंशोधकरमृगीबायहरेय १७३ ॥ कुष्टरोग चौपाई ॥ त्रिफलाबासानीमपटोल। फारगिलोयतासमकरतोल ॥ चूरणपीजैजलमेंघाल। कुष्टरोगनाशेतत्काल१७४ ॥ अथ चूर्ण ॥ त्रिफलामंजीठगिलोयकुटकीनिबनिसाजोआनिहौं ॥ बचदारुहरदबिडंगबासा

देवदारुसोठानिहैं ॥ सनपीसकरचूरणकरोविधसोंपीजियेपानी संगकुष्टरोगतो प्रबलभाजैनासेआकड़आगे१७५ ॥ अथ मंजिष्ठादि ॥ मंजिष्ठात्रिफलाकहुरसनीनिंबगिलोय ॥ देवदारुबचपीसकेकाढ़ो कीजैसोय १७६ प्रातउठैसोपीजियेबातरक्तनरहाय ॥ अंसकृमं-डलमायदड़सबतकुष्टिमिटाइ १७७॥ अथलेप ॥ गुंजानीबकुटाबच चीतायेसमपीसहुमरे । मीताकांजीसोंपीसलेपनकरेश्वेतकुष्टको निश्चयहरै १७८॥ अथलेप ॥ अन्नछान्विरुआनलेपकरोभारंगको ॥ श्वेतकुष्टकीहानिसिद्धयोगनैनाकह्यो १७९ खैरआमरेसमकर लेहु । उठिसकारेसमकाथकरेहु ॥ टंकदोयबावचीमिलाय । श्वेत दागइकमाससानामेंजाय १८० ॥ अथकेडुकाचूर्ण ॥ हलदबावची नींबदलअबरुआंवलापाय ॥ टंकदोयजोमूत्रसों पीवतकंडूजाय १८१ ॥ अथलेप ॥ सिंदुरमिरचसमानकरमहबानतसंयोग ॥ मथ केलेपनकीजियेनाशेपामारोग १८२ गन्धकचौकविडंगफलअरु सिंगरफसुजान ॥ हलदपवाड़सिंदूरसोंपीसहुसमकरआन १८३ कनकबीजतबोलरसलेपहुइनहिंमिलाय ॥ पामाव्यौचीदादकुष्ट एतेरोगनशाय १८४ ॥ अथविषीकाउपाय ॥ दोहा ॥ प्रातआककीभस्म करमाखनसगमिलाय ॥ कुष्टबावचीकासोंहरैजबनरलेपकराय १८५ ॥ अथलेप ॥ सोरठा ॥ टांकहलदतालेयनीलाथोथाबावची ॥ साजीचौकसोदेहतीनसबसेदुगनपवाडकर ॥ कटुकतेलमेंपायम-र्दनकीजिये । दिनमहिषीगोबरलायनाशाबामअंगबिधि १८६ ॥ अथ मिनीनाशेताकाउपाय ॥कालीमिरचीहरदबिडंग । पोहकरमूलकूट कैसंग॥सोंठिनिगन्धबावचीलेयालोकनकोऊकीजोदेय १८७ उ-कालंगदनीबूकेपातकीरीजारीकरिहैभातगेरुमिरचेंपुहकरमूलाबो लकठीकोलेसमतूल १८८ लेपनगोमूत्रसगकरैलहरनिनाईकोस बहरै । सर्वजोबीजपिसपाउपलाइकहैनैनसुखसोंसमुझाय १८९ दूबहलदसमपीसकेलेपहुयहसंयोग । पामाश्वासअरुदाददुखना

शैएतेरोग १९०॥ अथपनलूतकाउपाय ॥ चौपाई ॥ चंदनकूढ़सभालूखाय। कमलसिरासममैलोभाय॥ लेपनकीजैजलमेंघाल। शूलबिथाना-शैतत्काल १९१॥ अथछीपप्रतीकार ॥ दोहा ॥ कदलीताकीभस्मकरतामें हलदमिलाय॥ लेपनकीजैनीरसोंछीपरोगनरहाय १९२॥ अथलेप ॥ पद्धरीछन्द ॥ चंदनहरतालकपूरसुहागामूलीबीजआनीजंभीरीजसों लेपलायसोछीपरोगछिनमांहिजाय १९३॥ अथलेप ॥ सोरठा ॥ गंधक चन्दनआननींबूरससोंलेपिये॥ दिवसश्वरसाहवानछीपरोगतन नारहै १९४॥ अथनाहूप्रतीकार ॥ अर्धदग्धकरसीपकोदधिसोंपीजैसोय। निजदुखियनेकह्योसोनारुबहुरनाहोय १९५॥ शस्त्रघावऔषधि ॥ का कजंघामूलकूटशस्त्रघावमेंदेय। पाड़ारक्तप्रबाहरतहीघावमिलाय १९६ ॥ इतिश्रीकेशवदाससुतनैनसुखविरचितेवैद्यमनोत्सवेकुर डप्रमेहमूत्रकृछ्रमूत्ररोधनाश्मरीकुगडपामाबिचर्चिकासूतनारुछीप शस्त्रघावप्रतीकारंनामपंचमस्समुद्देशः॥ ५ ॥

अथबायप्रतीकार ॥ पद्धरीछन्द ॥ असगन्धसोंठतीनसमजानसमतुल्मे लोखांड़आनहऔषधिघृतलीजियेमिलाय ॥ सोबीतव्याधिछिन माहिंजाय १९७ ॥ अथचूर्ण ॥ भंगसंभालूभांगरामुंडीताहिमिलाय॥ चोकबिडंगजवाइनआनिसोंठकलौंजीपीपलमूल ॥ अकरकरोमेलो समतूल १९८ दूनेगुड़सोंगोलीकरो॥ टंकटंकपरमानताधरो। प्रातउ ठकेगोलीखाय। बायचौरासीतनरुरहाय १९९॥ अथबिपुरभैरवरस॥ चौपाई टंकचारसोंठकोलेय। मिरचटंकचारपुनिदेय ॥ तीनसुहागाबिस इषपरौ। आकरससोयनीधरो २०० गुंजासमगोलीपर्वीन। सीत हरैनिश्चयताजीन ॥ बायुरोगछिनमाहिंपलाय। कृष्णासुमिरि पातकमिटजाय २०१ अथवायुपीड़ाकाक्वाथ॥ दोहा ॥ सोंठअरण्डरासना देवदारुगिरिलोय ॥ काढ़ापीजैप्रातउठिपीड़ाबातनहोय २०२ ॥ अथबिषगर्भतैल ॥ मीठातेलसेरइकआन। बुलपधतूरेकारसजान॥ गुंजा

विषधतूरेबीज। टंकपांचपांचसोंलीज॥बिधिजुतेलकाकहियेआन। लघुबिषगर्भतेलसोजान२०३मर्द्दनदेहीकीजैलाय। बायुचौरासी तननरहाय॥ आवलसमहिकूटखीरकगोदुग्धसों॥ खातशीतहड़ फूटनासेअंगकी२०४॥ अथचयोदशगुग्गुल॥ मालकांगिनी॥ दोहा॥ रास्ना असगंधसोंठगिलोय॥ तिबीतखण्डीसोंकहै सितासिताबरसोय अजवायनसमपीसिकैसमसबगुग्गुलपाय २२ अर्द्धभागगोघीव-सं गोलीकरोलिलाय।तप्तउदकगोदुग्धसोंटंकदोयसोंखाय२०५ कटिप्रहरीगणयोनिदुखकहूहूं वायुनाड़ीजंघाकै बायुपुष्टहड़सोय मज्जसन्धसुखनसुनि येतेवायुनहो२०६॥ अथ पि प्र०॥ इलायची कपूरउसीरठान। आंवलेअरुचन्दन तुल्यआन॥ येपीसजोपी जैजलमिलाय॥सोपित्तदाहक्षणहींमेंजाय२०७॥अथ लेप॥दोहा॥ बेरीपल्लवआंवला तन्दुलछड़पुनिसोय॥ जलसोंलेपिये चरण तल दाहव्यथानहिंहोय२०८॥ अथ नर्द का चूर्ण॥ लेइबहारीकवल फलऔरइलाचीधार॥पीससहतसोंदीजियेछर्दउबाकीजाय २०९ अथ लेप॥ कांसियालिमहँनीरसों सौबरहीघृतधोय॥ लेपकरो चरणयुगबायुव्यथानहिंहोय२१०॥ अथकफकाप्र०॥ केसरमिरच पीपली भारङ्गीपुनिजान॥ मर्दोत्राबालगसँग येसमपीसहुआन पानहिंसोंसबदीजिये परमितटंकतेआन॥ कफखांसीअरुश्वास ज्वर होइखईजुसमान२११॥ अथचूर्ण॥ लौंगभरङ्गीपीपली सोंठकटाईपाय॥ पीसपियोजलतप्तसोंकफखांसीदुखजाय ११२ अथ गण्डमालाप्रतीत॥ पीपलऔकचनार फलत्रिफलासमआन॥ पीसपियोजलतप्तसोंनाशेकीराजान २१२॥ अथ लेप॥सोंठभरङ्गी पीसकर तन्दुलजलसयोग॥ कण्ठलगावहुपीसकर हरैसुजीरा रोग २१३॥ अथकचरण॥ पलदशत्रुंबुकचनारकी त्रिफलापट पलीजिये॥ त्रिफलात्रिकुटाधार चूरणपलटंकलोलधर२१४ कर्षकर्षपरमान पत्रजतजइलायची गुग्गुलसबसमआन गुटिकीजै

टंकखयरक्काथसोंदेय॥ अथ पथ्यातप्रजलसुंठीद्वाथ॥ प्रातसमयलेजानि
कै गंडमालपुनिकुष्ट॥ अपचीगोलीग्रंथपद मेहभगंदरकुष्ट॥ आ-
बिदनाशयसत्यसुनि २१५॥ अथ मुखरोगप्रतीकार॥ तवाखीरऔर
इलाइचीनागरमोथालाय। मुखमहँमेलहुपीसकरि बदनपीकनर-
हाय२१६॥ अथदांतरक्तप्रतीकार॥ रसनासाकासहतमिलिमधुहूंतेदिन
सोय॥ प्रातजुचाटहुसातदिनदांतरक्तनहिंहोय २१७बासामोथा
क्काथसरजुरटोकटुपुनिजान॥ लोधमजीठमिलायकरपीसहुसम
करिआन २१८ येऔषधिदशनैमलैरक्तगमनसोपाइ॥ पीड़ाकी-
टकसबहरैनिमिषबीचसोंपलाय २१९॥ अथ औषधिमुखपाककी॥
त्रिफलादोयगिलोयसतचमेलीदलपाय॥ दारुहलदअरुपाठसुनि
घेलौनसमझाय २२०॥ मुखकीनका औषधि॥ सरसोंसोंधालोध
बच येऔषधिसमसोय॥ जलसोंबदनजुलेपिये कीलसिंगनशाय
२२१॥ अथ मुखबावकीऔषधि॥छालीरातिलश्याम जीरासिरसोंपीत
पुनि॥ यहसोंलेपकराय मुखकीछायानारहै२२२॥ अथलेप॥ सोंठ
हलदकुटलोधपुनि येऔषधिसमभाय॥ नीबूरससोंलैपियेमुख
कीछायाजाय २२३॥ अथनासिकारोगप्रतीकार॥ दोहा॥ कशुंमहरी
तकीदाड़िमपुष्परलाय॥ सीतनीरसोंनाशले रथगमनथभाइ
२२४॥ अथ गुटिका॥ मिर्चऔरबादामफल परमिततिलदोदेइ॥
नाशलेइनरनीरसोंपीनसरोगहरेइ॥ अथनेत्ररोगप्रतीकार॥ रसवतलोद
हरीतकी जलसोंऊपरलेपियेनयननीरमिटजाय २२५॥ अथरगड़ा॥
कररगड़ाअंजनकरो नयनपीरनहिंहोय २२६॥ अथांजननेत्रका॥
केतकफलऔरजस्तसंग मेहदीरससंयोग॥ लोचनअंजनकीजिये
होयभलानिशिअंध २२७सावणबेरोबालुकासिलएकअंजनदेह॥
निशिअंधाबहुदिवसनिश्चयनाशकरेह २२८॥ अथपड़ालकाअंजन॥
मिरचेंगेरूलोनगुड़येसबऔषधिआन॥ जलसोंलेपहुपाइयेजायप
ड़बालहिजान २२९॥ अथअंजनबलवायुका॥ पाराजस्तारांगामिश्री

मोतीमूंगाजान ॥ छदछाछटांकतेलीजियेइनकायहीप्रमान २३० कदांतऔरबटकसुतामहिइन्हेंमिलाय ॥ त्रिध २ टंकमिलायके कांसथालमहिघाल २३१ छेरीपयसांरगड़ियेहगअंजनसुकरेय ॥ सबलबायुकानाशहोदूधभातपथदेय२३२॥ अथरगड़ा॥नीबजस्तमार केलहुलीलाथोथारंचकदेहु ॥ फेनसमुद्रफिटकरीआन सीपीचूना समकरजान २३३ जोघृतसँगकांसीमेंधरो । कररगड़ाहगअंजन करो ॥सबलबायुबहुदिवसकाजाय ॥कहेउग्रंथऐसासमुझाय २३४ अथपोटली॥जीराकहींफिटकरीत्रिफलातामहँदेहु॥रसवतहालोंहलद संगलोदअफीमपुनिलेहु २३५ येऔषधिसमआनिये करोपोटली पीस २३६ ॥ अथअंजन तिमिरधारा वायुकासुरमा ॥ सीससंगपुनिमैन-शिल त्रिफलावोकटुआन ॥ कातफलऔरमिश्रीसमहस्यनसमान २३७ अंजनछेरीदुग्धसोंतिमिररोगनरहाय ॥ फोलाखोड़ाजाय पुनिनयनपीरमिटजाय २३८॥ अथकचरनरोगप्रतीकार ॥ आकलसन तिलपातरसकानबीजसोंपाय ॥ बहरीपीड़ापीवदुखयेतेरोगनशा-य २३४ आकपातमहिलसनधरनीरहुदोनोंसोय ॥ कानमाहिं रसमेलियेपूयदुःखनहिंहोय २४०देवदारुबचसोंठपुनिसेंधासोंफ-रलाय ॥ अजामूत्रसोंतप्तकरे शूलशब्दबहुपूयदुखतबहीनाशकरेय २४१॥ अथरोगशिरप्रतीकार ॥ लेप ॥ देवदारुकुटकायफलअरंडतेल मिलाय ॥ कांजीसोंजबलेपियेबातशिरासबजाय २४२ ॥ अथकफ शिरावर्तिकोलेप ॥ अरंडराजनात्रिकुटाजान । छड़बचनवधापुरमोथा आन ॥ सोतप्तनीरसोंपीसेलाय । छिनमहिसुफलशिरवर्तिजाय २४३॥ अथपित्तशिरवर्तिका ॥ सोरठा ॥चंदनशिवाउसीर त्रिकुटककंजअरु आंवले ॥ कमलब्रजदेहोभवेर पितशिरोरुजनाशहोय २४४॥ अथ लेपवीदायका ॥ कूटमिरचअरुकायफलएरंडीजड़लेय ॥ तप्तनीरसों पीजियेसोशिरवर्तिहरेय २४५ ॥ अथलेपआधासीसीका ॥ कूटपीपल शाखाहोलबचमुलहटीजान ॥ कांजीसेतालेपकरआधासीसीहान

२४६ अथ नाश ॥घृतसोंसेंधापीसकरनासलेयपरभात॥ सिद्धयोग नयनाकह्यउआधासीसीजात२४७॥ अथ यंत्र॥ यंत्रछत्तीहालिखकरनीलैतागे॥येबांधियेमस्तकमेंआधासीसीजाय२४८ अथ जयपाल ॥ विषआननीलाथोथानिरखसीलेइये॥हिरबीजासोंघिसियेबातसों लेपिये २४९ पाछतैलायकैपीड़ानाशैअंगकी॥ अथकेशबढ़नेकीऔषधि ॥ फूलतिलहकागोखरूघृतमधुमाहँमिलाय॥केशलेपसोंकीजियेबालवैद्यअधिकाय२५०॥ अथांशरकीकरकाऔषधि ॥ प्रातककोड़ेकाढ़कर अरूसमयदधिबास॥पायशीशमंजनकरोहोयसुकरकीनास २५१ अथखुसियबालककीऔषधि ॥ आनककोड़ेकाढ़िकरिअरुसमीपदधितास पायशीशमंजनकरोहोयबालकानास २५२ हस्तिदंतकीआनिये पीसहुरसवतसोय ॥ छेरीपयसोंलेपिये गयेकेशपुनिहोंय २५३ ॥ अथवल्य ॥ लोहचूनऔरभांगरानीलपत्रपलभिन्न ॥ अजामूत्रसों लेपकरकल्प रहैबहुदिन्न २५४ ॥

इतिश्रीकेशवदासपुत्रनयनसुखविरचितेवैद्यमनोत्सवेबात पदगुल्ममुखनासिकानेत्रकरणशिरोरोगप्रतीकार करनोनामषष्ठःसमुद्देशः ६

अथस्त्रीरोगप्रतीकार ॥ तवाखीरगजकेसरलेय। नेत्रबालाचंदनसमदेय॥तन्दुलजलसोदेयपिलाय। पियेरोगनारीकाजाय२५५गज केसरतन्दुलसिता दीजैनीरमिलाय ॥ प्रदररोगसोनाशहै मसूर मात्रजबखाय २५६ ॥ अथपुष्पकीऔषधि ॥ ब्रह्मडंडीत्रिकुटसमलेय। तिलकाढ़ासोंचूरणदेय ॥ गयापुष्पहोजायहैनार। औषधिलेयहोय ततकार २५७ पुष्पवर्तिकाबीजधतूरा । बैरीमैनफलपीपलतामहिधूरा ॥ पीसहुसैंहुडदूधसोंहोयपुष्पतानारि २५८ बातीकर भगमहिधरहिकहसुपरउपकार ॥सिद्धयोगयहजानतूनारीनेसुख

कार २५९ ॥ अथयोनिशुद्धकीऔषधि ॥ सिरसकीपलैजाय फल सागर फैनमिलाय ॥ बायबिडंगइलाइची गजकेसरसमभाय २६० जल सोंगोलीकीजियेटंकएकपरमाण ॥ भगमेंराखैयत्नसोंयहऔषधिल हैसुजान २६१ बंध्यागर्भताहोयसुख योनिदुःखसबजाय ॥ साली मूंगगोबाघृतसोंपुनिपुष्पकराय २६२ ॥ अथगर्भहोनेकाऔषधि ॥ मिरचें सोंठपीपलेलेउ ॥ गजकेसरसोंकटाईदेउ ॥ गोघृतसोंजोपीवेनार ॥ ताकोहोयगर्भतत्कार २६३ गजकेसरअसगन्धशिला गोरोचन शालपुनि ॥ पयसोंपीवेबालहोयगर्भतत्कालसुनि २६४ धेनुदुग्ध सोंलक्ष्मणाकरेपानजोनार ॥ मासलेइबरतुबसों होयगर्भतत्कार २६५ ॥ अथकष्टस्त्रीकाउपाय ॥ आठअवंगापीसिकरकरेलेपभगमांहि ॥ होयप्रसूततत्कालही उदरपीड़नाजाहिं २६६ पयसोहड़काआनि लेपकरोनखनाभिपर ॥ करैकष्टकीहानि छिनमहँहोयप्रसूतसों २६७ जड़मूलीकीलेहु कटिबांधैकष्टीबधू ॥तबहींपीरहरेहु होयप्र-सूततत्कालतसू २६८ ॥ अथगर्भहीनेकाप्रतीकार ॥ धायलजालूकमल फल मुलहठीतापाय ॥ तन्दुलजलसोंदीजिये तासुगर्भरहिजाय २६९ ॥ अथसंकोचभगप्रतीकार ॥ पीसकलाफिटकरी माईलोदकपूर ॥ बेरडांडकनेरछालमाजूफलमहिचूर २७० मध्यगेहबिचपायकेकरे पुरुषसेभोग ॥ सेजअधिकसंकोचहोरहैनकोईरोग २७१माईधा-बेपड़कड़ीमाजूलोदजुसोइ ॥ बेरकीजड़सोंपाये सीकनमावेटोइ २७२ त्रिफलालोदहरीतकी जामनजड़पुनहोय॥भगमेंलेपहुस-हतसोंवृद्धकुमारीहोय २७३ मठागऊकाआनि।दिनरातधोवेयो-नितिय ॥ होयसंकोचनयोनि सिद्धयोगनयनाकह्यो२७४॥ गोली॥ कस्तूरीऔरकपूरसमगोलीमधुकरपाय॥योनिबीचसोराखियेबारी सींकनजाय २७५ ॥ अथयोनिदुर्गन्धहरण ॥ नीबपातकाक्वाथकरधोवे पासींतीय ॥ अतिदुर्गंधतानारहै आनन्दितहोयपीय २७६ ॥ अथ शुष्कयोनि ॥ असगन्धमहुवाराजकरणबचकणपरकूटोसोय ॥ प्रगट

योगनयनाकह्योसर्बसरोगहरोय२७७॥ अथनेलीकीऔषधि ॥ हलद कुआआतप्तकरिकुचऊपरतेधरेइ ॥ थनेलेकानामिटैसिद्धयोग जानेइ २७८ ॥ अथबालकीऔषधि ॥ काकड़ाशृंगीकणाअतीस। बालकचाटेमधुसोंपीस ॥ तापकांसऔरछर्दिमिटाइ। अथवासहत अतीसजोखाइ २७९ ॥ अथअतीसारकीऔषधि ॥ बालालोदमिलाय बलेधातुकीगजकणा॥ मधुसोंकाथकराय अतीसारकानाशहोय २८०॥ अथगुदापाककीऔषधि ॥रसवतिलावहुगुदापरअरुखानेकोदेय वाकीहरनभलीहोइसिद्धयोगजानेय२८१॥ अथपुरुषचिकित्सा॥बिजया अर्ककनेरजड़ रसधातूरापाय॥गोलीकीजैपीसकै लीजैछांहसुकाय २८२पुरुषमूत्रसोंपीसियेकरहुलेपइंद्रीय ॥ दीर्घकठिनऔरस्थूल होदेखतभागेतीय २८३ बाचकूटगजपीपली असगन्धवलेसुदेय॥ महिषीघृतसोंलेपियेलिंगदीर्घबहुहोय २८४॥ अथ लेप ॥ असगंध पारदगजकणा रजनीसितामिलाय॥लेपनकीजैलिंगपर वृद्धस्थूल कराय २८५ ॥ अथस्तंभन ॥ अजासेंहुड़कादुग्धपुनि लज्जालूजड़ पाय ॥ करपदनाभिसोंलेपियेथंभनहोअधिकाय २८६ ॥ अथ मदनप्रकाशचूर्ण ॥ तालमखानामूसली सोंठभाड़ंगीपाय॥ असगंधकौंच बीजपुनि सेंबलफलसुमिलाय २८७॥ अथ औषधिमातलपद्माकी ॥ मीठाभीमहुजायफल बीजधतूरासोय ॥ घृतसोंइन्द्रीलेपियेशीतलिंग दृढ़होय २८८ अफीमहुआनिकैकरहुबार्तिकायोग। लिंगछिद्र नहिंराखियेबहुतकरैनरभोग २८९ बलीसितावर मोचरस लेहुल तासोजान॥खांड़दुग्धसोंजोपियेबहुतारमैंसुजान २९०॥ अथगुटिका॥ कुंकुमशिंगरफजायफल तालमखानापाय ॥ कौंचबीजरुमस्तगी अकरकराजुमिलाय २९१ त्रिंबुरलौंगतमालपत्रअजवान॥ खुरासानीतीनभागयेलीजिये भागपरमान २९२ रसबिजयागुटिका करोपरमितटंकताएक॥ शयनसमयभक्षणकरैस्त्रीरमैअनेक २९३ ॥अथ दुर्गंधताहरन॥चन्दनरजनीमोथकपूर।लोदअगरमदमाखकचूर॥

बड़महुवागजकेसरपाय। गांडरजड़आंवलेमिलाय २९४ देही मर्दनकीजैआश। होयदुर्गन्धताछिनमेंनाश॥ पित्तदोषसबनाशै जान। कवरग्रंथकह्योबखान २९५॥ अथ बगलगन्धकाउपाय॥ मोथा बीलहरीतकीबीजआंवलापाय॥ लेपकरैनरनीरसोंबगलगन्ध सुमिटाय२९६॥ अथ शिरदुर्गन्धकाचन्दन॥ मोथालेयकरिछालीससु कपूर॥ जलसोंलेपहुशीशमें होयदुर्गंधतादूर २९७ परिमित ग्रंथसमुद्रसमममतिखोजतपार॥ औषधिरतनजतेगहेकिया प्रकटसंसार २९८वैद्यमनोत्सवग्रंथमें कहेउससिलनिजआन॥ दुखददलनसबसुखकरन आनंदपरमनिधान २९९ केशवराम सुतनैनसुख कह्योबयनसुखकंद॥ शुभनगरीशीनंदमहिअकबर शाहनरेंद्र ३०० अंकवेदरसभेदनौशुक्लपक्षशुभराश॥ तिथि द्वितियाभृगुबारपुनिपुष्यचन्द्रसुप्रकाश३०१मात्राअक्षरछंदकहि कहि जु अल्पमतिसोय॥ गुणजनसबैसम्हारिये हीनजहांकछु होय ३०२॥

इतिश्रीवैद्यमनोत्सवे केशवदासपुत्रनैनसुखविरचितेपुष्प कायोनिशुद्धगर्भहोनासंकोचनकुचकठिनथनेलाबालक उपायअतीसारक्वाथगुदापाक पुरुषचिकित्सालेपन स्तम्भनशीतलापम्बामदन प्रकाशगुटिकादुर्गंध बगलगंधप्रतीकारनामसप्तमःसमुद्देशः ७॥

समाप्तम्।